सार-समाचार

एनसीसी दिवस मनाया

उदयपुर, (कासं)। भूपाल नोबल्स संस्थान के कुम्भा सभागार में एनसीसी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गीतांजलि इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज के डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र सिंह राठौड थे। उदयपुर ठ्रुप के ठ्रुप कमांडर कर्नल भास्कर चक्रवर्ती, 10 राज बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विपुल बया, 1 राज नेवल यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर कमांडर शकील अहमद एवं 5 राज गर्ल्स बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मनमोहन सिंह रावत की उपस्थिति में कैडेट्स ने नुक्कड नाटक, देश भक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। डॉ. राठौड ने एनसीसी के माध्यम से मिलने वाले अवसरों द्वारा भविष्य में नैतिक मूल्य एवं सिद्धांतों पर चलने के लिए कैडेट्स का मार्ग प्रशस्त किया साथ ही ठ्रुप कमांडर कर्नल भास्कर चक्रवर्ती ने संपूर्ण भारत में एन सी सी का योगदान एवं उदयपुर में एन सी सी द्वारा आयोजित कराए जाने वाले स्वच्छ भारत अभियान, पुनीत सागर अभियान, पोस्टर प्रतियोगिता, प्लास्टिक निषेध के बारे में जागरूकता फैलाने, रक्तदान शिविर के बारे में अवगत कराया। संयोजक 10 राज बटालियन के कैप्टन सीपी सिंह थे, अतिथियों का स्वागत कैडेट नरेंद्र सिंह राठौड द्वारा किया गया एवं कैडेट ऋषि राज सिंह ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का संदेश वाचन किया। कार्यक्रम में डॉ. देवेंद्र सिंह चौहान, कैडेट कैप्टन ईशा उदावत एवं कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर आर्यश्रेष्ठ नाथ चौहान को डीजी कमेंडेशन तथा नेपाल व सिंगापुर में भारत का प्रतिनिधित्व करके आए कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर योगेश सिंह, कैडेट कैप्टन ईशा उदावत, प्रभु भाई पाटिल मसालची, चंपालाल एवं मांगीलाल, को डीडीजी कमेंडेशन के लिए तथा उदयपुर ग्रुप की समस्त एनसीसी यूनिट के सर्वश्रेष्ठ 25 कैडेट्स को सम्मानित किया। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट शैलजा राणावत, सेकंड ऑफिसर वीरेंद्र सिंह चुंडावत, थर्ड ऑफिसर ममता पालीवाल, 10 राजस्थान बटालियन के सूबेदार मेजर अजय सिंह एवं एनसीसी के आर्मी, नेवी एवं और एयर यूनिट के पीए स्टाफ और 250 एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

जागरूकता शिविर आज

उदयपुर, (कासं)। राष्ट्रीय निगम योजनान्तर्गत एनबीसीएफडीसी वित्त विकास निगम, न दिल्ली के सौजन्य से अनुजा निगम उदयपुर की ओर से नगर निगम प्रांगण में मंगलवार 26 नवंबर को जागरूकता शिविर किया जाएगा जिसमें राष्ट्रीय निगम योजनाओं के आवेदन करवाए जाएंगे। निगम के सहायक परियोजना प्रबंधक ने बताया कि वर्ष 2024-25 के लिये राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग एवं राष्ट्रीय दिव्यांग वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं के तहत् आवेदन प्रारम्भ हो चुके है। पात्र आवेदक जागरूकता शिविर का लाभ उठा सकते है। अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये वार्षिक, अनुसूचित जनजाति, सफा कर्मचारी एवं दिव्यांगजन के लिये वार्षिक आय 3 लाख रुपये से अधिक नही हो। योजनान्तर्गत विभिन्न योजनाओं के आवेदन किये जा सकेंगे। प्रार्थी स्वयं अपनी एसएसओ आ डी से या ई मित्र पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। आवेदन के साथ जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र एवं किसी ऋणदात्री संस्था का ऋणी नही होने की स्वघोषणा स्कैन करके साथ में अपलोड करनी होगी।

पशुओं की उचित देखभाल पर हुई चर्चा

उदयपुर, (कासं)। पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान में सर्दी में पशुओं की उचित देखभाल विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। उपनिदेशक डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी ने पशुपालकों को आह्वान किया कि इस मौसम में पशुओं के आहार पर विशेष ध्यान देकर आहार में ऊर्जा, प्रोटीन, खनिज तत्व, विटामिन्स, वसा आदि पोषक तत्वों का होना सुनिश्चत करें। छंगाणी ने बताया कि सर्दियों में पशुओं को केवल हरा चारा उपलब्ध कराने से अपच एवं आफरे की समस्या आ सकती हैं। इससे बचने के लिये हरे चारे के साथ सूखा चारा मिलाकर पशुओं को खिलाना चाहियें। संस्थान की वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. पदम मील ने पशुओं को सीधी ठण्डी हवाओं से बचाने की बात कही। डॉ. सुरेश शर्मा ने भी उपयोगी सुझाव दिये।

फुटबॉल लीग मैच का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। बीएन फुटबॉल अकादमी की ओर से 19 से 22 नवंबर तक उदयपुर फुटबॉल लीग मैच का आयोजन किया गया। कोच तनुज प्रताप सिंह ने बताया कि उदयपुर फुटबॉल लीग ओपन टूर्नामेंट था जिसमें विभिन्न स्कूलों एवं फुटबॉल अकादमी की ओर से टीमों ने भाग लिया। राजस्थान फुटबॉल स्कूल, सेंट ग्रेगोरियस स्कूल, स्टोलियन फुटबॉल अकादमी, भूपाल नोबल्स पब्लिक स्कूल की ओर से दो टीमों आदि 10 विभिन्न टीमों ने भाग लिया। उपरोक्त लीग मैच के परिणामों की श्रृंखला में विशेष बात यह रही की फाइनल में विजेता टीम व रनर अप दोनों ही बी एन पब्लिक स्कूल की टीम ए और टीम बी रही। टीम ए का नेतृत्व अर्जुन सिंह राठौड़ ने व टीम बी का नेतृत्व सौम्यवीर सिंह ने किया।

'पहचान' कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान आजीविका ग्रामीण परिषद (राजीविका) और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में जारी पहचान कार्यक्रम के तहत सोमवार को कुराबड़ ब्लॉक के मीनाक्षी सीएलएफ से जुड़ी 20 ग्राम संगठन सहायिकाओं (वीओए) को सेल्फ एस्टीम और बॉडी कांफिडेंस पर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किशोर और किशोरियों में आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास को बढ़ाना है।यूनिसेफ द्वारा विकसित सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन टूलकिट के माध्यम से किशोरों की शारीरिक बनावट, आदर्श रूप, और शरीर के बारे में होने वाली हानिकारक बातचीत पर चर्चा की। प्रशिक्षण में पोस्टर, क्यू कार्ड और गतिविधियों के माध्यम से इन मुद्दों पर जानकारी प्रदान की।प्रशिक्षण में बताया गया कि किशोर-किशोरियों के शारीरिक और मानसिक बदलावों के दौरान उन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत होती है। प्रशिक्षण के दौरान, वीओए ने रोल प्ले और ग्रुप एक्टिविटी के माध्यम से बच्चों के गुणों जैसे अच्छे व्यवहार, बड़ों का आदर-सम्मान, और दूसरों की मदद करने पर ध्यान केंद्रित करने की समझ विकसित की। प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रतिभागियों को एसबीसी टूल किट का एक एक सेट (पोस्टर, क्यू कार्ड ओर गतिविधि) प्रदान किया।

राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता-2024 का शुभारंभ

■ सात जिलों के 1300 से अधिक खिलाड़ी ले रहे भाग

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के तत्वावधान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता - 2024 का शुभारंभ सोमवार को महाराणा प्रताप खेलगांव उदयपुर में हुआ। प्रतियोगिता में जनजाति उपयोजना क्षेत्र के 7 जिलों से 1300 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह खेलगांव स्थित स्टेडियम में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, अतिरिक्त आयुक्त (टीएडी) गितेशश्री मालवीया, आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ओपी मीणा, समाजसेवी प्रमोद सागर तथा रविन्द्र श्रीमाली, राज्य जनजाति खेल अधिकारी नरेंद्र भूरिया के आतिथ्य में हुआ। प्रारंभ में जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल ने अतिथियों का उपरणा एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। राज्य जनजाति खेल अधिकारी भूरिया ने स्वागत उद्बोधन देते हुए राज्य सरकार की ओर से खिलाड़ियों को प्रदत्त सुविधाओं तथा खेल योजनाओं की जानकारी देते हुए उससे लाभान्वित होने का आह्वान किया। जिला खेल अधिकारी पालीवाल ने अवगत कराया कि प्रतियोगिता में उदयपुर, सलूम्बर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सिरोही और बारां जिलों के तकरीबन 1300 से अधिक जनजाति खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसमें हॉकी, फुटबॉल, तीरंदाजी, कबड्डी, एथलेटिक्स सहित 8 खेल होंगे। प्रतियोगिता का समापन 27 नवम्बर को होगा। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होता है। खेल ही एक ऐसा माध्यम है जिनसे व्यक्ति नियमितता, अनुशासन जैसे नैतिक मूल्यों से समृद्ध होकर अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर सकता है।

समारोह में समाजसेवी प्रमोद सामर ने खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ दिलाई। वहीं नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश ने खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन की घोषणा की। मंचीय कार्यक्रम के पश्चात कबड्डी मैच के साथ प्रतियोगिता का आगाज हुआ। समारोह में पूर्व ललितसिंह झाला, विक्रम सिंह चंदेला, सुनीता भण्डारी, अजीत जैन, शकील हुसैन, बांसवाड़ा खेल अधिकारी धनेश्वर मईड़ा, डूंगरपुर खेल अधिकारी नरेश डामोर, प्रतापगढ़ खेल अधिकारी हिमांशु राजौरा, बारां खेल अधिकारी विशालकुमार, सिरोही खेल अधिकारी अमित शर्मा, राजसमंद खेल अधिकारी धर्मदेवसिंह, झालावाड़ा के खेल अधिकारी कृपाशंकर सहित बड़ी संख्या में खेल प्रशिक्षक व खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रणवीरसिंह राणावत ने किया। कार्यक्रम का संचालन रणवीर सिंह राणावत ने किया। प्रतियोगिता के तहत मंगलवार को हॉकी मैच में उदयपुर से सलूंबर एवं बारा से डूंगरपुर के बीच सेमीफाइनल मैच होगा।

बालिका वर्ग में सेमीफाइनल प्रथम मैच उदयपुर से बारा एवं द्वितीय मैच डूंगरपुर से बासवाड़ा का होगा। बास्केटबाल में बासवाड़ा से प्रतापगढ, डूगरपुर से बासवाडा के बीच मैच होंगे। कबड्डी में बासवाड़ा से बारा का मुकाबला होगा। एथलेटिक की प्रतियोगिता एमबी ग्राउण्ड एवं फुटबाल की प्रतियोगिता देहली पब्लिक स्कूल में होगी।

आधार नामांकन केन्द्रों का निरीक्षण

उदयपुर, (कासं)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की संयुक्त निदेशक शीतल अग्रवाल ने सोमवार को जिले की गिर्वा ब्लॉक की 3 ग्राम पंचायतों देवाली ग्रामीण, तीतरड़ी एवं सविना ग्रामीण में संचालित आधार नामांकन केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तीनों आधार नामांकन केन्द्रों पर आधार नामांकन नि:शुल्क होने का बैनर, आधार सेवा शुल्क सूची चस्पा की।

आधार केन्द्र संचालक द्वारा आमजन को आधार संबंधित कार्य हेतु पावती/ रसीद दिया जाना पाया गया। सुश्री अग्रवाल ने आधार नामांकन केन्द्रों पर उपस्थित आमजन से आधार ऑपरेटर द्वारा दी जा रही आधार सेवाओं के बारे में जानकारी ली। आमजन ने बताया कि आधार ऑपरेटर द्वारा आधार संबंधित सेवाओं के लिए नियमानुसार शुल्क ही लिया जा रहा है।

बैठक 27 को

डूंगरपुर, (निसं) आगामी 27 नवम्बर सुबह 11 बजे श्रम कल्याण केंद्र गेप सागर की पाल पर बैठक रखी गई है। जिसकी अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ की जिलाध्यक्ष पार्वती भगोरा करेंगी। आशा सहयोगिनी की समस्याओं का समाधान और समय पर मानदेय का भुगतान की चर्चा की जाएगी।

प्रतियोगिताओं में बच्चों का झलक रहा उत्साह

राजसमन्द, (कासं)। जिला मुख्यालय स्थित आलोक स्कूल में महाराणा प्रताप साहित्यिक सप्ताह के अंतर्गत दूसरे व तीसरे दिन विभिन्न साहित्यिक व अन्य प्रतियोगिताओ में नर्सरी कक्षा से बारहवीं कक्षा के बच्चों ने अपने-अपने वर्ग के अनुसार उत्साह से भाग लिया।

प्राचार्य ललित गोस्वामी ने बताया कि साहित्यिक सप्ताह के दूसरे व तीसरे दिन सभी कक्षाओं की वर्गानुसार भजन, दोहा, चौपाई, सांग, सोलो डांस, फैंसी ड्रैस, स्टोरी टेलिंग, डिबेट प्रतियोगिता, कविता पाठ (हिन्दी, अंग्रेजी) पॉयम विद प्रोप, रोल प्ले, आशुभाषण (अंग्रेजी), वाद-विवाद प्रतियोगिता (हिंदी) का आयोजन हुआ। किड्स प्लेनेट में कक्षा नर्सरी से प्रेप के नन्हें बच्चों ने श्री गोपालम सभागार में शानदार भजन, दोहे, चौपाइयां व फिल्मी सांग की बेहतरीन प्रस्तुतियां दी। अपने अभिभावक की उपस्थिति में सुमधुर गीतों पर सोलो डांस की प्रस्तुतियां देकर हर एक को झूमा दिया। कक्षा 1 से 2 के वर्ग में हिंदी व अंग्रेजी भाषा में कविता पाठ के आयोजन में बच्चों ने देशभक्ति, पर्यावरण, सैनिक, किसान एवं परिवार से जुडे विषय पर प्रेणादायक कविताओं की प्रस्तुति दी। कक्षा 1 से 5वीं के वर्ग में स्टोरी टेलिंग कॉम्पिटिशन में बच्चों ने प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम शिक्षाप्रद संदेश दिए। बच्चों ने हिंदी और अंग्रेजी कविता पाठ प्रतियोगिता में बढ-चढकर हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी कविता से जुडे विषय के साथ संबंधित प्रॉप्स का भी शानदार उपयोग किया और बहुत प्रभावी ढंग से अपनी कविता की प्रस्तुति दी। बच्चों ने रोल प्ले कॉम्पिटिशन में भी बहुत ही शानदार प्रस्तुतियां दी। इस कॉम्पिटिशन में करीबन 50 बच्चों ने भाग लेकर बहुत ही सुंदर अभिनय और शुद्ध उच्चारण के साथ अपने संवादों को प्रस्तुत किया। कक्षा 9 से 12वीं के वर्ग में इंग्लिश डिबेट में बच्चों ने आजकल के समय में जो नवीनीकरण हो रहा है। उससे भारतीय संस्कृति पर किस प्रकार से सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव पडते है विषय पर वाद-विवाद कर अपने बेबाक व तर्कसंगत विचार प्रकट किए। आशुभाषण (अंग्रेजी) व हिन्दी वाद-विवाद का भी आयोजन हुआ। जिसमें आशुभाषण में करीब 17 प्रतिभागियों ने जनतांत्रिक शासन, वोटिंग राइट्स, लाभप्रद या हानिकारक, पर्यावरण और प्रदूषण, नारी सशक्तिकरण, नैतिक शिक्षा, सोशल मीडिया, भ्रष्टाचार उन्मूलन में यूथ की भूमिका आदि विषय पर अपने विचार प्रकट किए।

इसी तरह से हिंदी वाद विवाद में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति विद्यार्थियों का बढता रुझान उनके भविष्य के लिए लाभदायक या नुकसान विषय पर विद्यार्थियों ने पक्ष-विपक्ष में अपने तर्क प्रकट किए। कक्षा 1-2 वर्ग स्टोरी टेलिंग (हिंदी व अंग्रेजी) में हर्षिका पुरोहित, मानवी पालीवाल, दिव्यराज चुंडावत, भव्यांश कुमावत, यश शर्मा, हियांश सनाढ्य, पृथ्वीका अजमेरा, नव्या सोनी व लक्ष्यराज सिंह ने अपनी कक्षानुसार प्रथम स्थान प्राप्त किया।

भूस्थानिकी प्रौद्योगिकी के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

उदयपुर, (कासं)। इसरो के राष्ट्रीय दूरसंवेदन केन्द्र, हैदराबाद के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान ने कहा कि भूस्थानिकी प्रौद्योगिकी का उपयोग मानव जीवन की हर गतिविधि में शामिल है। किसी क्षेत्र के भौतिक स्वरूप, वहाँ भूमि, जल, जैव, सौर ऊर्जा की उपलब्धता, विकास कार्यों से सही व विशस्त मूल्यांकन भूस्थानिकी प्रौद्योगिकी के माध्यम से किया जा सकता है। डॉ. चौहान मोहनलाल सुखाड़िया विवि के भूगोल विभाग द्वारा भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वाधान में भूस्थानिकी प्रौद्योगिकी के उपयोग पर आयोजित हो रहे 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे।

डॉ. चौहान ने बताया कि भारत सरकार द्वारा घोषित "भूस्थानिकी प्रौद्योगिकी नीति 2023" ने इस प्रौद्योगिकी को आम जन द्वारा उपयोग किये जाने का रास्ता खोल दिया गया है। पहले भूस्थानिकी आंकड़ों के प्रकाशन पर प्रतिबन्ध था जिसके कारण इनका उपयोग नहीं हो रहा था।डॉ. चौहान ने आगे कहा कि व्यापक भौगोलिक क्षेत्र वाले भारत वर्ष में आज वार्षिक विकास दर लगभग 7 प्रतिशत है। तीव्र गति से हो रहे विकास कार्यों से तीव्र परिवर्तन हो रहे है। ऐसे में समय पर आवश्यकतानुसार संसाधनो की उपलब्धता, उपभोग और आवश्यकता के मूल्यांकन के लिये भूस्थानिकी आंकड़े ही सबसे विश्वस्त व उपयोगी स्त्रोत है। डॉ. चौहान ने बताया कि आज सौर ऊर्जा, आयकर विभाग द्वारा कृषि आय, प्राकृतिक आपदाओं से हुये नुकसान इत्यादि के मूल्यांकन के लिये ये प्रौद्योगिकी बहुत ही उपयोगी साबित हो रही है।

उद्घाटन के अवसर पर भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगकिी डिवीजन की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शुभा पाण्डेय ने कहा कि भारत सरकार कृत संकल्प है कि भूस्थानिकी प्रौद्योगिकी का उपयोग आमजन के जीवन का हिस्सा बन जाये। सुविवि के भूगोल विभाग की अध्यक्ष एवं प्रशिक्षण कार्य की आयोजिका प्रोफेसर सीमा जालान ने बताया कि 21 दिवसीय प्रशिक्षण में 5 राज्यों से सरकारी कार्मिक, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों से शिक्षक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षणार्थियों को जी.पी.एस., लिडार, मशीन लर्निंग, इन्टरनेट लर्निंग आफ थिंगस, ड्रोन सर्वेक्षण आर्टीफिसीयल इन्टेलीजेन्स एवं डेटा साइन्स इत्यादि पर प्रशिक्षण दिया जायेगा।अध्यक्षता सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की सह अधिष्ठाता प्रोफेसर दिग्विजय भटनागर ने की। इससे पूर्व भूगोल विभाग में नवस्थाजित "भूस्थानिकी प्रौद्योगिकी कौशल केन्द्र एवं उद्यमिता प्रकोष्ठ का उद्घाटन किया गया।